

श्री मोरारजी देसाई : सैर, बिहार की जो यह पट्टी है, यह काफ़ी ज़ाहम से मरी हुई है।

श्री धार० एल० कुरील (मोहनलालगंज) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा यह संधी जो से पछना चाहता हूँ कि क्या यह जो इन्सिडेंट हुआ है, क्या समस्तीपुर इलेक्शन से भी इसका कुछ सम्बन्ध है। क्या ऐसा तो नहीं है कि कांग्रेस के लोगों ने इसको मैनीपुलेंट किया हो, जिससे हरिजनों और वेकबर्ड क्लास के लोगों के वोट दूसरीतरफ चले जायें ? मैं यह भी पूछना चाहता हूँ कि इस तरह की जो बहुत सी घटनाएँ बिहार, यूपी० और दूसरी जगहों में होती चली जा रही हैं, सरकार उन्हें रोकने के लिए क्या ठोस कदम उठाने जा रही है, जिससे भविष्य में ऐसी घटनाएँ न घटें। जब तक महावत हाथी की गंदेन पर बैठा रहता है, तब तक वह सीधा रहता है। अगर सरकार इन घटनाओं की रोकथाम के लिए कुछ नहीं करती है, तो क्या हमें भी उसी हाथी की तरह ज़िगझा पड़ेगा, ताकि भ्रष्टाचारों का महावन हमारी गंदेन पर न रहे ? हम देखते हैं कि हिन्दुस्तान के कोने कोने में ये भ्रष्टाचार हो रहे हैं, होते घाये हैं। इनका पीछा जब भी लगा हो, वह फल अब दे रहा है। इन घटनाओं की रोकना पड़ेगा। इस बारे में एक निश्चित पालिसी बनानी पड़ेगी, ममरी टायल करनी पड़ेगी, तभी कुछ हो सकता है, भ्रष्टाचार घटनाएँ होती हैं, मकन में उस की चर्चा हो जाती है, परन्तु उसके बाद फिर बैसे का बैसा। कोर्ट काफ़ी में केमिज चलत है, मगर सब फूट जाते हैं, बरी हो जाते हैं। आज तक कोई भी एम० पी० और सी० एम० सस्पेंड नहीं किया गया है, किसी को सजा नहीं दी गई है। ऐसी घटनाओं के बारे में हम पड़ लेते हैं, सुन लेते हैं, यहाँ रो देते हैं, फ़ॉर्म बहा देते हैं, मगर उसके बाद सब बीमे का बैसा हो जाना है। हम कब तक इस तरह में रीत रहेंगे, कब तक हमारी बहू-बेटियों की इज्जत नष्टी रहेगी, कब तक हमारे लोगों का कल्याण होना रहेगा, यह मैं पूछना चाहता हूँ। मैं यह भी ध्यावामन चाहता हूँ कि भविष्य में ऐसी घटनाएँ न घटें, इसके लिए सरकार क्या कदम उठाने जा रही है।

श्री मोरारजी देसाई : पहले तो यह कहना ठीक नहीं है कि यह गिफ़्त हरिजनों पर ही भ्रष्टाचार हुआ है। हरिजनों पर हुआ है, यह ग़ल्ले बात है। लेकिन सारे गांव पर हमला हुआ है—वहाँ 90 परसेंट वेकबर्ड क्लासिज 8 और 10 परसेंट हरिजन हैं—जिसमें वे भी धा गये हैं। लेकिन हरिजनों पर हरिजन होने के कारण हमला किया गया, ऐसा नहीं है। इस लिए इस घटना को उसके साथ मिला देना ठीक नहीं होगा। लेकिन यह घटना बड़ी भयंकर है, इसमें कोई शक नहीं है—सारे गांव पर हमला हो और लोड़-फोड़ कर के उसका नाश कर दिया जाये। जब इसकी पुर्गी जांच हो, तब मैं कुछ कह सकता हूँ। माननीय सदस्य ने पूछा है कि क्या समस्तीपुर

के इलेक्शन के साथ उल्लास सम्बन्ध है या नहीं। यह जगह समस्तीपुर के नजदीक है, सरहद पर है शायद हो सकता है कि हो। लेकिन जब तक मुझे इसकी पूरी हुकीकत न मिले, तब तक मैं कोई राय नहीं दे सकता हूँ। लेकिन अगर ऐसा भी होगा, तो उसके बारे में कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

श्री धार० एल० कुरील : समरी टायल के बारे में कुछ नहीं कहा है।

12.48 hrs.

COMMITTEE ON SUBORDINATE LEGISLATION

THIRTEENTH REPORT

कुमारी मणिबेन बल्लभभाई पटेल (महमना) : मैं अधीनस्थ विधान संबंधी समिति का तेरहवां प्रतिवेदन प्रस्तुत करती हूँ।

COMMITTEE ON PRIVATE MEMBERS' BILLS AND RESOLUTIONS

TWENTY-FIFTH REPORT

SHRI PABITRA MOHAN PRADHAN (Deogarh): I beg to present the Twenty-fifth Report of the Committee on Private Members' Bills and Resolutions.

12.50 hrs.

STATEMENT RE. CALLING OFF OF STRIKE BY PORT AND DOCK WORKERS

THE MINISTER OF STATE IN CHARGE OF THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI CHAND RAM): Honourable Members are aware that the unions of root and dock workers affiliated to All India Port and Dock Workers Federation (HMS) except the B.P.T. Employees' Union restored to an indefinite strike from the night of 15th November 1978 in Bombay Port. Similarly, affiliates of this Federation in the ports of Madras, Mormugao, Kandla, Calcutta, Paradw and Visakhapatnam went on strike from the mid-night of 16th November, 1978. They went on strike in the port of Cochin from the mid-night of 18-11-78. In Madras one of the Unions